असाइनमेंट :- 1 विषय :- हिंदी कक्षा :- चौथी शिक्षिका :- श्रीमती इंदरजीत कौर

नाम :- _____ सेक्शन :- _____ रोल नंबर :- _____दिनांक :- /7/2021

पाठ-4 (कविता)
चाँद का कुरता

प्रश्न 1 **मौखिक प्रश्न**

(क) चाँद माता से क्या बोला ?

उत्तर मुझे ऊन का एक मोटा झिंगोला सिलवा दे |

(ख) हवा रात - भर कैसे चलती है ?

उत्तर हवा रात - भर सन - सन चलती है |

(ग) इस कविता के कवि कौन है ?

उत्तर रामधारी सिंह दिनकर

प्रश्न 2 दी गई पंक्ति की अगली पंक्ति लिखिए |

(क) जाड़े की तो बात ठीक है,
पर मैं तो डरती हूं
एक माप में कभी नहीं
मैं तुझको देखा करती हूँ |

(ख) कभी एक अँगुल भर चौड़ा
कभी एक फुट मोटा
बड़ा किसी दिन हो जाता है
और किसी दिन छोटा!

प्रश्न 3 कविता की पंक्तियाँ पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

हठ कर बैठा चाँद एक दिन

माता से यों बोला

सिलवा दे माँ मुझे ऊन का मोटा एक झिंगोला !

(क) चाँद किससे हठ कर बैठा ?

उत्तर चाँद माता से हठ कर बैठा |

(ख) चाँद ने मां से क्या सिलवाने के लिए कहा ?

उत्तर चाँद ने मां से झिंगोला सिलवाने के लिए कहा |

(ग) चाँद के दो पर्यायवाची लिखिए |

उत्तर शशि, राकेश

<u>भाषा ज्ञान</u>

प्रश्न 1 नीचे दिए शब्दों के साथ उनकी ध्वनि बताने वाले शब्द चुनकर लिखिए |

झरझर टिकटिक गड़गड़ कलकल किटकिट टपटप

घड़ी	-	<u>टिकटिक</u>	बूँद	-	<u>टपटप</u>
दाँत	-	<u>किटकिट</u>	नदी	-	<u>कलकल</u>
बादल	-	<u>गड़गड़</u>	झरना	-	<u>झरझर</u>